₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 79; 12/10/2018

बिषय सूची

होरी मने कोई ना समझता	1
सबरे फल	2
कुई बचाए, कुई पढ़ाए	2
नीती वचन	3
चोउर मोमबती	3
कांटी के बुच फियुड़	4

खास दन

10 अक्तुबरे नाऊ रात्रे
14 अक्तुबरे फुल्याट
15 अक्तुबरे फुल्याट
16 हुणेमालि
27 अक्तुबरे करवाचौथ

धाणि त तसे जुएली

केआं अब सते बंटी अठ फेरे लवाण चाहिए। सत फेरे तेन्के व्याहे, आठुं जे फेरा असा, से कुई जे लवाण चहिए कि से कुई बचांते त तेस

होरी मने कोई ना समझता

यक काउ रंगे पेखुरु साफ अम्मर अन्तर उडरुण लगो थियू। तेस पेखुरु अगाश साफ केण लगा। तेस पेखुरु अपु देश केण लगु। तेस पेखुरु यक जोरदार वियार उडारी कइ होर देश घीन गई। तेस पेखुरु यक नोउआ देश कआ। तेस पेखुरु कोई चोट नेओथ लगो। तेस यक चेखुरु मेउ ‘‘कोकल कोकल’’। तेस पेखुरु कुछ समझ नेओथ एण लगो। तेन पेखुरु बोलु मोउं कुछ समझ नेई एण लगो। में देशे चेखुरु त ई बोक ना कते।

तेस पेखुरु यक हुडानी मेईया। से हासण लगो थिया। तेन पेखुरु से कआ त तेस कें गा। तेन पेखुरु बोलु ‘चीं चीं’ पेखुरु हुडानी जे बोलु ‘चीं चीं चीं चीं’ रहोड़े बोलु ‘ओले’। पेखुरु पुछ्तु ‘किस ? पेखुरु ई किस भुतुं कि यक देशे पेखुरु के बोक होर देशे पेखुरु किस ना ऐंती समझ ? सोभी के बोक यके किसमी किस ना भुंती ? तेस देशे मेहणु जानवर त होरे सोभ यके किस्मी भाषा बोते त समझते। होर जगाही मेहणु जी होर जगाही भाषा शचण टेम लगती तिहांणी होरी जीवी बी टेम लगता।

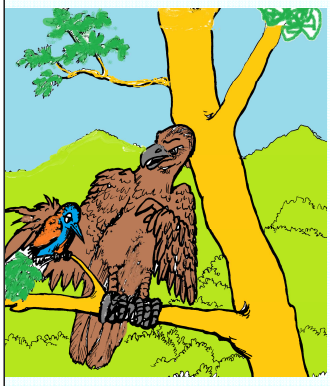

लेहु दान करे

लेहु दान करण चहिए किस कि तेसे बोलि अस त सुसर रहेंते, पर केसे होरी बि कम ऐंतु। एसे बोलि केसे होरि जीवन मेता त कि तुसि माड़ु लगतु ना ? टेम-टेम बठ तुस सोभ अपु लेहु होरी दे दिया करे जेसे बोलि तुस स्वास्थ रहेते, त होरि जीवन मेता।

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

सबरे फल

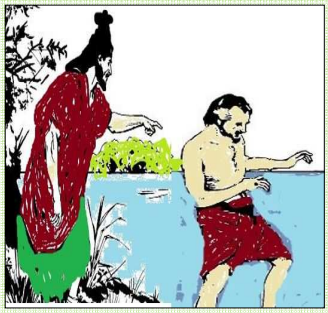

यक गरीब मेहणु, अपु गरीबी केआं परिशान भोई कइ, गड भरण जे घेई गा। तठि यक सधु थिया। तेन से मेहणु गड भरण केईआं रोक छड़ा। सधु तेस मेहणु केआं पुछु, "तू किस गड भरण लगो थिया? की परिशानी असी?" तोउं तेन मेहणु अपु आपबीती सोब शुणाई। तेस मेहणु परिशानी शुण कइ सधु बोलु, "मोउं केई यक विद्दया असी, जेसे बेलि यक जादू घेड़ु बणतु। त जे बि तेस घेड़ु केआं मगियेल, से जादू घेड़ु सोब किछ दी छता। पर जिएस से घेड़ू टूट घियेल, तसे टेम, जे किछ बि एन घेड़ू दुतो असु, से सोब खतम भोई घेन्तु। अगर तू दुई साल तकर में सेवा करियाल, त एस घेड़ु अउं तेन्धे दी छता। त अगर तू पन्ज साल तकर में सेवा करियाल त अउं एस घेड़ु बणाणे विद्दया तोउ शिचाली छता। बोल तू की चाहांता?" तेन मेहणु बोलु, महाराज! अउं त दुईए साल तुं सेवा करण चाहांता। मोउं त बस झठ ए घेड़ु लोतु। अउं एस सम्हाड़ी कइ रखता, कदि ना टोड़ता। इ कर कइ दुई साले बाद, तेस मेहणु से घेड़ु मेई गोउ। तोउं से मेहणु झठ अपु गी पूज गा। तेन मेहणु घेड़ू केआं अपु हर यक इच्छा पूरी करवाण शुरु कइ छेइ। तेन अपफ जे महल बणा, नौखर-चाकर मगे, त सोबी अपु शानो-शौकत हरालण लगा। से सोभी भेई भेई कइ धाम खलाण लगा त तीं पैँसे उडारण लगा। तेन अराख बि पीण शुरु कइ छड़ा। तोउं तेस यक रोज सुआ लाग चढ़ी त तेन अपु घेड़ु मगरी पुठ किया त नचण लगा। नचते नचते तेस गोता लगा त से घेड़ू तसे मगरी पुठा भीं झड़ कइ टूट गऊ। तेस घेड़ू टूटते ईं सोब किछ खतम भोई गऊ। अब से मेहणु सोचण लगा "मेईं जल्दबाजी ना कियो भुन्तीथ त घेड़ु बणाणे विद्दया शिचो भुन्तीथ। त आज अउं दुबारी गरीब ना बणताथ।"

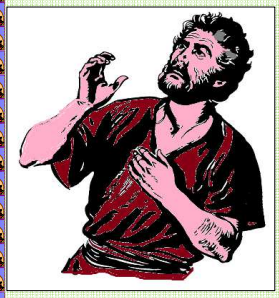

ईश्वर असी हमेशा दुई बथ पुठ रखता, यक सुक्ति त दौड़ी बाड़ी त दोकी औखि त लम्मी टेमी बाड़ी, पर इ असी चुणुण एन्तु कि असी केस बथ पुठ हंठुण। कोई बि कम उतौड़ी अन्तर करुण ठीक ना भुन्तु, बल्कि कि धीरज धर कर ज्ञान तुसी पक्का बणांता। जीं बोते कि "जे धीरा, से पूरा। जे उतौड़ा, से बौरा।"

कुई बचाए, कुई पढ़ाए

कुई बचाए, कुई पढ़ाए। एसे शुरुआत भारते प्रधान मन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जीए बेलि सोभी कियां पहला हरियाणे पानीपत अन्तर 22 जनवरी 2015 लेस्पते भुई। ई योजना कुई के बारे महेणु जागरुक करण जे असी। भ्रूण हत्या पुरी तरीके जोई खत्म करण जे ई योजना खोलो असी, ताकी कुई के जीवन बच सकियेल त तेन्ही बी दुनीया हेरणे मोका मेई सकियेल। त से बी असी त तुसी बुच एई कइ अपु जीवन जीयेल त से पढ़ लिख कइ या अब्बल मेहणु बणियेल जेसे बेलि कि से केसेरी कुई, भेण, ई, पुफी, दादी बणी सकियेल। कुई बचाए, कुई पढ़ाए, एस योजना जे भारत सरकारे 100 करोड़ रु0 के योगदान दिता। सेंसस रिपोर्ट 2011 हसाब जोई हेरियेल त अस हेरते कि 0 कियां 6 साले कुई अन्तर सुआ गिरावट आओ असी। 2001 अन्तर ए 927/1000 थी जद कि 2011 अन्तर ए हाउ बी झड़ कइ 919/1000 बट पुजी। आजकले हस्पताड़ी अन्तर किस्मी किस्मी मेशीने नुसो असी, जेसे बेलि महेणु के पेट अन्तर हेर कइ पता लुआई छांते कि पेट अन्तर की गेभुरु असु, कुई की कुआ? कुआ भुआ त तेस पेट अन्तर बिशण देंते। बचारी कुई भुई त तेस भीं कढ़ाई छांते जेसे बेलि कि कुई आजकल घटती गओ असी। अस सोभ जे तेन्ही कुई जोई ई किस कते? खली कियां बहेर एई कइ बी तेस जे खारु.खोटु बोते। जीं अस कोयी र खते तिहांणी अस कुई किस ना रखते, जेसे बोली कि तेसे जीण जे

नीती वचन

* अक्लदार कोआ हेर कइ बोउ खुश भुन्ता, पर मुर्ख कोईए बझई जुएई ई उदास रेहंती।
* पापी मेहणु के रखो धने बेलिए लाभ ना भुन्ता, पर धर्मे बझई जुएई मरण केईया बच घेन्ते।
* धर्मी मेहणु परमेश्वर कदी ुके मरण ना देन्ता। पर पापी मेहणु के इच्छा बि पूरी भुण ना देन्ता।
* जे कम करण हेर सुस्त भोई घेन्ता, से गरीब भोई घेन्ता। पर कमेर मेहणु अपु हथेरी बेलिए अमीर बण घेन्ता।
* जे कुआ बरशाड़ बेहड़ता, से अक्लदरी जुएई कम करणेवाड़ा भो। पर जे कुआ लुणणे टेम नस-भास उंघ बिश्ता से बेशरमी बझह बणता।
* धर्मी मेहणु पुठ सुआ अशुष भुन्ति। पर पापी मेहणु अपु मुँह नियोकाण एन्तु।
* धर्मी मेहणु याद कर कइ सोब मेहणु तेन्हि अशुष देन्ते। पर दुष्ट मेहणु के नउ खतम भोई घेन्तु।
* जे मेहणु अक्लदार असे से कहेणा मनते। पर जे मेहणु बक-बक करणे बाड़े मुर्ख असे, से ाका खांते।
* जे भलाई जुएई चलता, से नडर भोई हंठता। पर जे बुरी चाल चलता, तसे चाल यक रोज समाड़ी एई घेन्ती।
* जे नम्रा मटाका कता, तसे बेलिए होरी दुख मेता। त जे बक बक करणेबाड़ा त मुर्ख असा, से ाका खांता।

चोउर मोमबती

राति टेम थिया। चोहरो कना अन्हारु थियु। तठि यक भखरी अन्तर चोउर मोमबती जाओ थी। अकेले बिश कई से चोहरो जेईं अपफ बुच बोक करण लगो थी। पहेली मोमबती बोलु, “अउं शान्ति भो, पर मोउं लगतु कि अब इस मतोक मैं जरुरत नेई। हर कना ‘इ में भो, इ में भो’ त लूट मार मचो असी। अउं अब इठि हऊ बिश ना सकती।” इ बोल कइ, से मोमबती हुश गई। दोकि मोमबती बोलु, “अउं विश्वास भो, पर मोउं लगतु कि झूठ त फरेब अतु बध गोओ असा कि अब में इठि कोई जरुरत नेई। अउं बि इठिया घेई घेन्ती।” इ बोल कइ दोकि मोमबती बि हुश गई। टेकी मोमबती बि दुखी भोई कइ बोलु, “अउं परेम भो। मोउं केईं जाई बिशणे तागत असी। पर आजकण जवाने अन्तर हर यक जेईं अपु-अपु कम अन्तर अत मस्त भोई गोओ असा, कि में लिए केसे केईं टेम नेई। होरि जुओइ त दूरे बोक असी। मेहणु आज अपणी जुओई बि परेम करण बिसरीं लगो असे। अउं इ सोब अब सिहड़ी ना सकती। अउं बि इस मतोक केआं घेण लग गो असी।” त इ बोल कइ, टेकी मोमबती बि हुश गई।

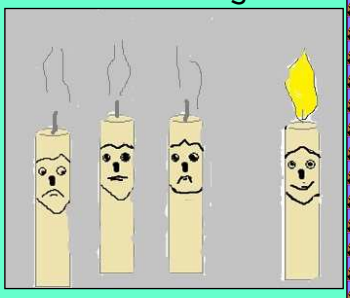

से होता हुशोरी थी कि यक मठड़ू गभुरु तेस भखरी अन्तर आऊ। मोमबती हुशो हेर कइ से डर गऊ। तसे टिरी बइ एंखू नसण लगे त से रोलते रोलते बोलुण लगु, “ओ, तुस मोमबती जाओ किस नेई? तुसी त अखिरी तकर जाउंण एन्तु! तुस असी इ बचबचा छड़ दी कइ घेई ना सकती?” तिखेईं चोंथू मोमबती बोलु, “टयारे गभुरआ, डर नऊ! अउं आशा भो। जपल तकर अउं जाओ असी, अस होरी मोमबती फि जाई सकते।” ईं शुण कई से गभुरु खुश भोई गऊ, त तेन गभुरु आशाई तागत जुओई शान्ति, विश्वास त परेम फि दुबारी जाई छड़े। एसे मतलब इ असा, कि जपल सोब किछ बुरु भुन्तु केईयेल, चोहरो कना अन्हारुई अन्हारु केईयेल, अपु से बि पराए लगण लगियेल, त तोउं बि उम्मीद छड़ ना देण, आशा छड़ ना देण। किस कि आशा या उम्मीद अन्तर अति शक्ति असी कि ए हर यक गड़ो चीज दुबारी वापस दिआई सकती। अपु आशाई मोमबती जाई रखे, हॉ अगर आशाई मोमबती जाओरी रेहियेल त तुस होर केसे बि मोमबती जाई सकते।

कंटी के बुच फियूड़

कंटी के बुच फियूड़ फूलते काए।
छलारी के बुच किश्ती घेन्ते काई।
अन्हारु टिगड़यार अन्तर काउ।

कंटी के बुच फियूड़ फूलते काए।
अपु हक जे मनख घेड़ी घेड़ी मेर्डीते काए।
असी केही अबल मेहणू बुरी संगत कते काए।
बढे त गरीब ईया बोउ जोई कुआ बेउठी मेर्डीते काए।
बणते बणते कम केही बार असी बिगड़ते काए।

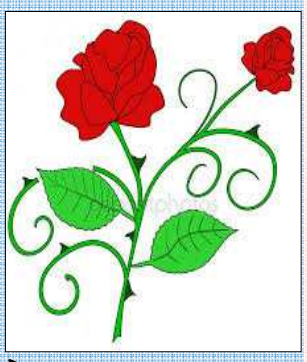

कंटी के बुच फियूड़ फूलते काए।
असी केही लिंगी अपु मथलब जे लेहूए रिश्ते बि बगड़ते काए ।
अपु चन भरण जे होरी लुर्टीते काए।
टेई घेण बट चोर केही लिंगी मरते दम तकर मडते काए।
अपणेरी देशेरी मेहणू केही लिंगी धर्मे नाउ बठ मेर्डीते काए।

कंटी के बुच फियूड़ फूलते काए।
भारत देश भो हें।
असी भुमण अन्तर असा ए टियारा।
जेखेई–2 बी इस बट आंच आई,
तेखेंई–2 शुर वीर मातृभूमि बठ अमर भूंते काए।
कंटी के बुच फियूड़ फूलते काए।
विनोद कुमार

इस महेन हें पुरे पांगेई अब सुआ जेई के जेटु त छेकी त वियहा भुंते तन्ही सोभी जोड़ी हें पुरी तुबारि टिमे कनरा लाख– लाख बधे त तुं जोड़ी सल. ामत रेहो लोती। हें एशुशी कइ।

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेहले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहिल बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम

- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418904168
- 9459828290

तुस अपु गेभुरु जेमली के बारे असी जे बोल सकते जेस कि अस तुबारि मेहने पत्रकेई बठ छापी सेकुं।

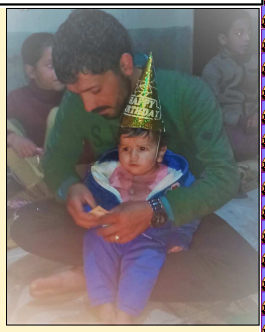

लविश कुमार, कुआ–वनोद कुमार, ग्रां–सेरी भटवास 7 अक्तुबरे यक साले पुरींता।

तेस पुरी तुबारि टिमे कनरा लख लख बधे।

दिल कियां नुसो असी दुआ हें

जिंदगी कियां मेओ लोती तुसी खुशी

गम ना दे भगवान तुंधे कपाले बी

मोजीकिने यक खुशी कम कई छण में।